देहरादून-उत्तराखंड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उनके शुभ जन्मदिवस की बधाई देते हुए ब्रह्माकुमारीज़ सबजोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. मन्जू दीदी,देहरादून, ब्र.कु. मीना, ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. प्रियंका तथा अन्य ब्र.कु. बहनें।

ब्यावर-राज.। सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जन्मोत्सव कार्यक्रम में राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. गंगा व ब्र.कु. विमला।

लखनऊ-उ.प्र.। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ के 23वें दीक्षांत समारोह में भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जो भारत के अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' से जुड़े हैं, को विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की गई। तत्पश्चात् उन्हें अभिनन्दन पत्र भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. सुमन, ब्र.कु. सोनी, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के वाइस चान्सलर प्रोफेसर डॉ. जय प्रकाश पाण्डे तथा अन्य।

आगरा-शाहगंज(उ.प्र.)। पुलिस कमिश्नर आई.पी.एस. दीपक कुमार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. दर्शन बहन। साथ हैं ब्र.कु. ममता तथा अन्य पुलिस अधिकारीगण।

जमशेदपुर-झारखंड। यूनिवर्सल पीस पैलेस रिट्रीट सेंटर के प्रांगण में आयोजित 'श्रेष्ठ समाज के निर्माण में मीडिया की भूमिका' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. अंजू,कोल्हान क्षेत्र, ब्र.कु. सुधा, ब्र.कु. रागिनी, ब्र.कु. सुकन्या, ब्र.कु. संजू, ब्र.कु. कोमल भाई,मुख्य संपादक मधुबन न्यूज व शिव आमंत्रण समाचार पत्र, संजीव भारद्वाज,प्रेस क्लब के प्रेसिडेंट, बृजभूषण सिंह,चमकता आईना के संपादक, दैनिक भास्कर के संपादक झा जी तथा अन्य।

यहाँ न तो कोई हॉस्पिटल, न ही कोई ओपीडी

अनुभव

फिर भी होती हार्ट की सर्जरी...

भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा वीरता के लिए पदक से सम्मानित 61 वर्षीय उ.प्र. पुलिस में सेवारत प्रेमवीर राणा की सोच थी कि उन्हें कोई भी बीमारी नहीं होगी।

मैं सोचता था कि कोई बीमारी नहीं आएगी, अगर मैं सत्य पथ पर काम करता रहा तो, ये मेरा दृढ़ विश्वास था। हालांकि मुझे पुलिस में काम करते-करते दो बार गोली लगी। एक तो साम्प्रदायिक दंगे में रामपुर मनिहारान,उत्तरप्रदेश में गोली लगी। जिसके कारण 11 महीने बेड पर रहा। दूसरी बार 1992 में आतंकवादियों ने गोली मारी जिससे 17 महीने सवाई माधोपुर,जयपुर के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती रहा। मैं सोचता था कि मैं इतना ओपन हार्ट वाला आदमी हूँ तो शायद मेरा ओपन हार्ट कभी ना खुले। समय के कालचक्र में देखो क्या हुआ कि मैंने जो सोचा भी नहीं था वो ही हार्ट की बीमारी हो गई। मैंने अपने बच्चों, पत्नी और एक-दोस्त के अलावा ये बीमारी की बात किसी को भी नहीं बताई। यहाँ तक कि डिपार्टमेंट को भी नहीं बताया कि 22 मई 2024 को मैं हार्ट का पेशेन्ट हो गया।

मैंने अपने नज़दीकी डॉक्टर को बताया तो उन्होंने कहा कि तुम्हें हो ही नहीं सकती हार्ट की बीमारी। मैंने एम.आर.आई. करवाई, एंजियोग्राफी करवाई। ज्यादा टाइम नहीं हुआ ये कराते-कराते फिर मैंने पूछा कि मैं अपने दिल का आदमी खुद था हूँ, ओपन हार्ट नहीं कराना। लेकिन सभी ने कहा 'पापा करवा लो, स्टंट डलवा लो'। एक एम.एस. वाले डॉक्टर हैं ग्रेटर कैलाश में। पता लगा कि वहाँ कराएंगे तो वहाँ दवाई से खुलवा देंगे। मैंने देखा कि उस अस्पताल में दुनिया भर के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, राष्ट्रपति सभी के फोटो वहाँ लगे हुए थे। एक साल तक इलाज करवाया और देखो, दुर्भाग्य मेरा यहाँ से कि मैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से जुड़ा हुआ हूँ, कई प्रोग्राम में आया, कुनाया गया पर मुझे विश्वास नहीं था। किसी ने बताया कि यहाँ संस्थान में कैड का प्रोग्राम होता है। हमने सोचा ऐसे ही होगा खाना खिलाएंगे और कहेंगे अच्छा करो, बुरा न करो, ये सब चीजें बताएंगे। एक बार डॉ. सतीश गुप्ता से मेरे भाई सुशील मिलने आये। उन्होंने मेरी सितम्बर 2024 में डॉ. सतीश गुप्ता से बात भी करवाई, फिर भी विश्वास नहीं हुआ।

अभी इसी साल 11 मई 2025 को ही सावन के पहले दिन में ही मेरे को हार्ट अटैक आ गया और चोट भी लगी। फिर सबने मेरी पत्नी, बच्चे और सभी मित्र-सम्बन्धियों ने कहा कि तुम्हें मरना तो है ही अगर तुम स्टंट नहीं डलवाओगे। तब मेरे दिमाग में आया कि क्यों न एक बार डॉक्टर को दिखा लूं और ओपन हार्ट नहीं कराना। तब घर से शान्तिवन में आयोजित कैड प्रोग्राम के लिए दिनांक 13 को चला और 14 को पहुंच गया। आने में दो घण्टा देरी हो गया। और आते ही यहाँ पूछा कि डॉ. साहब ओपीडी में कब मिलेंगे। उत्तर मिला कैड के क्लास में मिलेंगे। मैंने पूछा ओपीडी में किस समय बैठते हैं? परंतु आश्चर्य की बात यह देखी कि यहाँ तो ना कोई अस्पताल और ना कोई ओ.पी.डी.। पर ज़्यादा क्या बताऊं यहाँ आते ही इस आध्यात्मिक हॉस्पिटल को देखा। आध्यात्मिक और साइंस का ये बेहतर सुंदर संगम है जो मैंने यहाँ देखा।

चमत्कार है डॉ. सतीश गुप्ता का और उनके चलाए गए इस कैड प्रोग्राम का। ऐसा हॉस्पिटल जो आध्यात्मिक है और डॉ. सतीश गुप्ता का जिन्होंने अपनी आत्मा पर अधिकार कर लिया हो और परमात्मा शिव से सीधा जुड़ गये हों। यहाँ का पूरा ही सिस्टम जोकि कैड प्रोग्राम में आये हुए हार्ट पेशेन्ट को प्रशिक्षित करते हैं। इस कैड प्रोग्राम में मैं भी जुड़ गया। मैं अपने को बहुत धन्य अनुभव कर रहा हूँ। मैंने ये कैड प्रोग्राम पूरा अटेंड किया और मैं बिल्कुल ही अपने आप को तरोताज़ा महसूस कर रहा हूँ। मेरी धमनियों में जो रुकावटें थीं जिससे मुझे चलने-फिरने में तकलीफ होती थी वो नॉर्मल हो गई। फिर से मैंने डॉक्टर से जाँच करवाई तो सब रिपोर्ट नॉर्मल आई। यहाँ शरीर और आत्मा के बीच का जो रिश्ता और सूक्ष्म संवेदनाएं कैसे काम करती हैं उसके बारे में सही-सही और साइंटिफिक तरीकों से बताया गया। साथ ही पथ्ययुक्त भोजन तथा दिनचर्या में अपनी सकारात्मक सोच के बारे में गहराई से जाना व समझा। मैं ओपन हार्ट का हूँ परन्तु हार्ट कैसे काम करता है उसकी क्या रिक्वायरमेंट है, कैसे नरिशमेंट होता है ये मैंने जाना। अब मैं अपने आपको स्वस्थ समझ रहा हूँ। यहाँ के सभी भाई-बहनों को मैं अपने दिल की गहराई से धन्यवाद करता हूँ।

वीरता पदक से सम्मानित प्रेमवीर राणा,उ.प्र.

> **मानव के शरीर का ऐसा ऑर्गन जो जन्म से मृत्यु तक बिना रुके, बिना थके जीवन देता है। लेकिन हमने कभी भी हृदय के बारे में नहीं सोचा कि उसकी ज़रूरतें क्या हैं, उसकी धड़कनें कैसे चलती हैं! हम तो भागदौड़ वाली ज़िन्दगी में उसकी सही रूप से देखभाल भी नहीं कर पाते, न ही उसके बारे में सोचते कि आखिर प्रभु प्रदत्त बेशकीमती उपहार को हम यूं ही उसका महत्व न समझ गंवा बैठते हैं।**

गुरुग्राम- ओ.आर.सी.(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान एवं इंडियन योगिनी एसोसिएशन के सहयोग से ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर में 'विकसित भारत के लिए महिला सशक्तिकरण एवं पर्यावरण' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ओ.आर.सी. निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा तथा अन्य इंडियन योगिनी एसोसिएशन के पदाधिकारीगण।

अंबाला शहर-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के सुप्रीम लाइट हाउस में विराट संत सम्मेलन के तहत 'अध्यात्म द्वारा सनातन संस्कृति की स्थापना' विषय पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. दिव्या, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. लक्ष्मी, धार्मिक प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक राजयोगी ब्र.कु. रामनाथ, आचार्य महामंडलेश्वर कमल किशोर, सरदार ज्ञानी शेर सिंह एवं आचार्य स्वामी राजेश्वरानंद महाराज।

गुमला-झारखंड। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् जिलाधिकारी प्रेरणा दीक्षित को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शान्ति। साथ हैं ब्र.कु. ममता एवं ब्र.कु. सुचिता।

सुंदरनगर-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के दिव्यांग समानता एवं सशक्तिकरण अभियान थीम के तहत 21 दिवसीय अभियान के अंतर्गत भिन्न-भिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शिखा, अभियान के प्रभारी ब्र.कु. सूर्यप्रकाश, महेश शर्मा,चेयरमैन साक्षर स्पेशल स्कूल, प्रधानाचार्या नीलम लखनपाल,एचपीआईसीएसए स्कूल, दिव्यांगों की राजकीय आईटीआई प्रधानाचार्य आदित्य तथा अन्य।